पिज्जा, बर्गर खाने की मत सोचना

सीबीएसई स्कूलों की कैंटीन में जंक फूड पर रोक, बच्चे खाएंगे मौसमी फल

मेरठ : सीबीएसई के स्कूलों की कैंटीन में अब जंक फूड नहीं बिकेगा, बच्चों के स्वास्थ्य के मद्देनजर कैंटीन में मौसमी फल बेचे जाएंगे। पिज्जा-बर्गर पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है। साथ ही 18 साल से कम आयु के छात्रों के बाइक लेकर स्कूल आने पर भी रोक लगेगी।

मंगलवार को बीएनजी इंटरनेशनल स्कूल किला रोड पर मेरठ सहोदय स्कूल कांप्लेक्स की बैठक हुई। इसमें सहोदय से जुड़े 73 पब्लिक स्कूलों में नए एकेडमिक सत्र के कैलेंडर को अंतिम रूप दिया गया। इसमें तय हुआ कि अब स्कूलों की कैंटीन में जंक फूड पिज्जा-बर्गर आदि नहीं बेचा जाएगा। जिस भी स्कूल में कैंटीन चल रही है, उसमें हाइजेनिक चीजें रखीं जाएंगी। इसके अलावा मौसमी फल जैसे तरबूज, खरबूज, बेचे जाएंगे। इसके लिए सभी स्कूलों को सर्कूलर भी भेजे जाएंगे। सहोदय के संरक्षक प्रेम मेहता, चेयरमैन सुधांशु शेखर, सचिव राहुल केसरवानी, ज्वाइंट सेक्रेटरी गोपाल दीक्षित, सतीश शर्मा, रीतू दीवान, उत्तम सिंह, पायस फर्नांडीज और बीएनजी के प्रिंसिपल अजय बंसल समेत अन्य प्रिंसिपल मौजूद रहे।

बीएनजी में आयोजित सहोदय की बैठक में स्कूल के प्रिंसिपल व पदाधिकारी।

स्कूलों में होगा शेक्सपियर का ड्रामा

शेक्सपियर के ड्रामा के 400 साल पूरे होने वाले हैं, इसे ध्यान में रखते हुए पब्लिक स्कूलों ने अपने एक्टिविटी कैलेंडर में इसे पहले स्थान पर रखा है। 12 मई को गार्गी गर्ल्स स्कूल में यह ड्रामा होगा, जिसमें शहर के सभी स्कूल प्रतिभागी करेंगे। जुलाई और अगस्त के महीने में सभी स्कूलों में शतरंज और कैरम की प्रतियोगिताएं होंगी। फिर जिले स्तर पर कराई जाएगी। अक्टूबर और नवंबर में स्कूल और सिटी स्तर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्रिंसिपल के लिए लीडरशिप और मोटीवेशनल कैंप भी लगाए जाएंगे।

18 साल के छात्र ही चला सकेंगे बाइक

सहोदय ने ट्रैफिक एसपी के निर्देश पर स्कूलों में हेलमेट और बाइक को लेकर सख्ती करने का मन बना लिया है। 18 साल से कम आयु के छात्रों को स्कूल में बाइक लेकर आने से मना किया जाएगा। 18 साल से उपर वाले छात्रों के लिए भी हेलमेट पहनना अनिवार्य कर दिया गया है। स्कूलों की सुरक्षा को देखते हुए अब छात्रों के साथ अभिभावकों को भी स्कूल आईकार्ड जारी करेंगे। अभी कुछ स्कूल आईकार्ड जारी कर रहे हैं, आने वाले समय में सभी स्कूल अभिभावकों को आईकार्ड जारी करेंगे।

प्रशासन पर बनाएंगे दबाव

सहोदय की बैठक में सेंट जोंस सीनियर सेकेंडरी स्कूल की प्रिंसिपल पर दर्ज एफआइआर की भी चर्चा हुई। सभी ने एक स्वर से कहा कि वह इस मुद्दे पर प्रिंसिपल के साथ हैं, सभी ने पुलिस की एफआइआर की आलोचना की। कहा कि अगर जरुरत पड़ी तो वह दोबारा से पुलिस अधिकारियों से मिलेंगे।

इंडियन इंटेलिजेंस टेस्ट (आईआईटी) 2016

स्कूलों में इंडियन इंटेलिजेंस टेस्ट आज

स्कूलों में आज इंडियन इंटेलिजेंस टेस्ट, सीजन 3 आयोजित किया जा रहा है. इस टेस्ट में आज स्कूलों के माध्यम से रेजिस्ट्रेशन कराने वाले प्रतिभागी शामिल होंगे. विद्यामंदिर क्लासेज आईआईटी सीजन 3 का नॉलेज पार्टनर है.

INDIAN INTELLIGENCE TEST
Season 3
An Innovative Aptitude Test

इंडियन इंटेलिजेंस टेस्ट सीजन 3 का टेस्ट आज देश के कई प्रमुख शहरों में आयोजित किया जा रहा है. यह टेस्ट स्कूलों में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें वैसे स्टूडेंट शामिल होंगे, जिन्होंने अपने स्कूल के माध्यम से रेजिस्ट्रेशन कराया है. विद्यामंदिर क्लासेज आईआईटी सीजन 3 का नॉलेज पार्टनर है. जागरण समूह और सिगरिड एजुकेशन सर्विसेज की पहल इंडियन इंटेलिजेंस टेस्ट स्टूडेंट्स के लिए काफी उपयोगी है, जिसके माध्यम से वे अपना इंट्रेस्ट और इंटेलिजेंस जान कर करियर रोडमैप बना सकते हैं.

आईआईटी सीजन 3 दो चरणों में संपन्न हो रहा है. पहले चरण की परीक्षा हो चुकी है, जिसमें ओपेन टेस्ट सेंटर पर परीक्षा आयोजित की गई थी. दूसरे चरण की परीक्षा आज आयोजित की जा रही है. अगर परीक्षा को लेकर आईआईटी प्रतिभागियों के मन में कोई भी सवाल हो या कोई समस्या हो, तो तो वे हमारे हेल्पलाइन पर कॉल करके सवाल पूछ सकते हैं. स्टूडेंट्स अपने साथ ब्लैक एचबी पेंसिल जरूर रखें, ताकि ओएमआर शीट भर सकें. इसके अलावा अपने साथ एडमिट कार्ड ले जाना अनिवार्य है.

Helpline Number
7505666000
सुबह 10.30 से शाम 6.30 तक.

ध्यान से भरें ओएमआर शीट

आईआईटी सीजन 3 में शामिल होने वाले सभी प्रतिभागियों को ओएमआर शीट ध्यान से भरनी होगी, क्योंकि उनका रिजल्ट सही-सही भरे गए ओएमआर शीट पर ही डिपेंड करेगा. ओएमआर शीट भरने के लिए ब्लैक एचबी पेंसिल का यूज करें और अगर शीट भरने में किसी भी प्रकार का कन्फ्यूजन हो तो अपने टीचर्स से एक बार सलाह जरूर लें. इसके सभी ब्लॉक्स को भरना हर स्टूडेंट के लिए अनिवार्य है.

सिटी हलचल

औद्योगिक भ्रमण पर गए छात्र। जागरण

औद्योगिक भ्रमण कर लौटे छात्र

मेरठ : चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर स्थित सर छोटूराम इंजीनियरिंग कालेज के छात्र-छात्राएं औद्योगिक भ्रमण से लौट आए। सप्ताह भर के भ्रमण में केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के छात्रों ने उत्तराखंड में पत्थर पावर हाउस विकास नगर देहरादून, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्रों ने टूल रूम ट्रेनिंग संस्थान दिल्ली, कंप्यूटर विभाग के छात्रों ने बीएचईएल हरिद्वार, आईटी के छात्रों ने इंडियन इंस्टीट्यूट आफ रिमोट सेंसिंग देहरादून, एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के छात्रों ने मृदा एवं जल संरक्षण अनुसंधान केंद्र का भ्रमण किया। संस्था के निदेशक डा. सोहन गर्ग ने औद्योगिक भ्रमण को छात्रों के लिए उपयोगी बताया। इस अवसर कंप्यूटर साइंस विभाग के अध्यक्ष डा. मिलिंद, डा. अर्चना त्रिवेदी, कवि भूषण, रविकांत गौतम, प्रशांत कुमार मौजूद रहे।

एक्सीलेंस एजूकेशन अवार्ड लेते एमआइटी के पदाधिकारी। जागरण

एमआईईटी को मिला एक्सीलेंस एजूकेशन अवार्ड

मेरठ : सीएसआर की ओर से परतापुर स्थित एमआईईटी को 'एक्सीलेंस इन एजूकेशन पुरस्कार-2016' से सम्मानित किया गया। एमआईईटी के चेयरमैन विष्णु शरण ने बताया कि यह पुरस्कार सीएसआर के चेयरमैन एसके सचदेवा द्वारा दिया गया। कॉलेज को यह सम्मान बीटेक में उच्च तकनीक शिक्षा, इंडस्ट्री ओरिएंडेट तकनीक शिक्षा एवं बेहतरीन ट्रेनिंग और प्लेसमेंट के कारण प्राप्त हुआ है। निदेशक डॉ. संजीव माहेश्वरी ने बताया कि यह गौरव की बात है कि यह सम्मान कॉलेज को दूसरी बार प्राप्त हुआ है।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में कंप्यूटर लैब का उद्घाटन करते पदाधिकारी।

कंप्यूटर लैब का उद्घाटन

मेरठ : पूर्वा महावीर स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में मंगलवार को कम्प्यूटर लैब का उद्घाटन हुआ। रोटरी क्लब मेरठ सिटी द्वारा प्राप्त छह कम्प्यूटर और लैब का उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के श्रीदर्शन ने किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कम्प्यूटर शिक्षा के बिना विद्यार्थियों का ज्ञान अधूरा है। इसलिए सभी स्कूलों में बच्चों को कम्प्यूटर शिक्षा अनिवार्य रूप से मिलनी चाहिए। इस अवसर पर विधायक शहर लक्ष्मीकांत वाजपेयी, संजय त्यागी, शेखर अग्रवाल और प्रधानाचार्य अशोक आर्य भी उपस्थित रहें।

शिक्षकों के लिए भी चलेगी स्काउट गाइड की क्लास

मेरठ : यूपी बोर्ड के अलावा सीबीएसई के स्कूलों में भी स्काउट गाइड की क्लास चलेगी। बच्चों को प्रशिक्षण देने से पहले शिक्षकों की क्लास चलेगी। 28 अप्रैल से चार मई तक स्काउट गाइड भवन लालकुर्ती में प्रशिक्षण चलेगा। स्काउट गाइड के जिला सचिव सत्यव्रत शर्मा ने बताया कि प्रशिक्षण के लिए सीबीएसई स्कूलों को भी पत्र भेजा गया है।

पब्लिक स्कूलों की बैठक आज : शुल्क बढ़ोतरी, मनमाने तरीके से किताबों को लगाने आदि कई बिंदुओं पर प्रशासन के साथ पब्लिक स्कूलों की आज बैठक है। बुधवार को विकास भवन में होने वाली बैठक में सभी पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्यों को बुलाया गया है।

विवि के परीक्षा कार्यक्रम में आंशिक बदलाव

मेरठ : चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय की मुख्य परीक्षा के कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। 17 मई को होने वाली परीक्षा अब 23 मई, 27 मई और छह जून को कराई जाएगी। 23 मई को बीकाम की क्वालीफाइंग कोर्स की परीक्षा तीसरी पाली में तीन से छह बजे तक होगी। 27 मई को बीकाम की क्वालीफाइंग कोर्स की परीक्षा सुबह सात बजे से दस बजे, दूसरी पाली 11 बजे से दो बजे होगी। छह जून को बीए, बीएससी और एलएलबी की परीक्षाएं हैं। छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर परीक्षा कार्यक्रम जरूर देख लें।

बच्चों ने किया डोमिनोज का भ्रमण

मेरठ : सत्यकाम इंटरनेशनल स्कूल लोहियानगर के कक्षा प्रथम से लेकर तृतीय तक के बच्चों ने शास्त्रीनगर में स्थित पीवीएस डोमिनोज का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान बच्चों को पिज्जा बनाने की जानकारी दी गई। बच्चों ने डोमिनोज में साफ्ट ड्रिंक व झूलों का आनंद लिया। प्रधानाचार्या रश्मि मिश्रा, समन्वयक सीमा पांडे व नीलू गर्ग मौजूद रहीं।

बीएससी नर्सिंग का रिजल्ट घोषित

मेरठ : चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय ने बीएससी नर्सिंग फर्स्ट ईयर, सेकेंड ईयर, थर्ड ईयर और फोर्थ ईयर का रिजल्ट घोषित कर दिया है। बीजेएमसी थर्ड और फोर्थ सेमेस्टर का भी रिजल्ट घोषित कर दिया गया है। छात्र-छात्राएं विवि की वेबसाइट पर रिजल्ट देख सकते हैं। बीएससी नर्सिंग फर्स्ट ईयर कालेज कोड 862 का रिजल्ट प्रयोगात्मक परीक्षा का अंक न मिलने की वजह से रोक दिया गया है। विवि की वेबसाइट पर रिजल्ट देख सकते हैं।

सर्वशिक्षा अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली

मवाना : सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत गडीना में प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालय के बच्चों ने जनजागरण रैली निकाली। रैली के माध्यम से अभिभावकों से अपने बच्चों को स्कूल भेजने का आह्वान किया गया। रैली का शुभारंभ प्रधान पति रमेश ने किया। रैली में शामिल बच्चे सर्वशिक्षा अभियान संबंधी नारे खूब पढ़ो, आगे बढ़ो, स्कूल चलो-स्कूल चलो, सबको पढ़ना है आगे बढ़ना है, पढ़ी लिखी नारी घर की उजियारी, आदि नारे लगाते चल रहे थे।

यहां होगा एग्जाम

मेरठ : प्रेसिडेंसी स्कूल, इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, गार्गी गर्ल्स स्कूल, सरस्वती विद्या मंदिर गंगानगर, दीवान स्कूल जागृति विहार, बीडीएस, मेरठ पब्लिक स्कूल, शांति निकेतन विद्यापीठ, द आर्यस, सत्यकाम इंटरनेशनल, केएल इंटरनेशनल, माउंट लिट्रा जी स्कूल, डीएमए, सेठ बीके माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, बीआईटी।

ऐसी कमाई, नहीं दे पा रहे ईएमआइ

- बैंकों से एजुकेशन लोन लेकर इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट की पढ़ाई करने वाले नहीं चुका पा रहे लोन
- एजुकेशन लोन में 40 फीसद से कम रिपेमेंट

जागरण संवाददाता, मेरठ : बैंकों ने एजुकेशन लोन लेकर इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट की पढ़ाई करने वाले बहुत से छात्र-छात्राएं बैंक की किश्त तक नहीं चुका पा रहे हैं। निजी कालेजों में डिग्री हासिल करने के बाद नौकरी न मिलने की वजह से बैंकों के कर्ज वापसी का प्रतिशत काफी कम है। इसे देखते हुए अब बैंक भी एजुकेशन लोन देने में सावधानी बरतने लगे हैं।

शहर के बैंक दस लाख रुपये तक देश के भीतर और 20 लाख रुपये विदेश में शिक्षा ग्रहण करने के लिए एजुकेशन लोन देते हैं। इसमें चार लाख रुपये तक के लोन में किसी भी तरह की गारंटी नहीं है। साढ़े सात लाख रुपये के लोन पर गारंटी है। शहर में ज्यादातर बैंकों से छात्रों ने बीटेक और मैनेजमेंट कोर्स के लिए एजुकेशन लोन लिया है। लोन लेकर पढ़ाई पूरी करने के बाद रिपेमेंट की स्थिति काफी खराब है। बैंक अधिकारियों की माने तो मात्र 40 फीसदी युवा ही लोन वापस करने भर की किश्त दे पा रहे हैं। चार लाख रुपये तक के लोन बैंकों के सबसे अधिक फंसे हैं, क्योंकि ज्यादातर छात्रों ने प्राइवेट कालेजों से बीटेक करने के लिए चार लाख रुपये का लोन बैंक से लिया, लेकिन कोर्स पूरा करने के बाद उन्हें कोई नौकरी नहीं मिल पाई, जिसकी वजह से वह बैंक की किश्त नहीं दे पा रहे हैं। इसे देखते हुए बैंकों ने भी विशेष सावधानी बरतनी शुरु कर दी है। वह अब ए कटेगरी के प्रतिष्ठित कालेजों में प्रवेश लेने वाले छात्रों को लोन देने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। ए श्रेणी के कालेजों में प्रवेश लेने वाले छात्रों को वह दो दिन में ही लोन स्वीकृत कर रहे हैं।

लोन के लिए मारामारी नहीं : जिला अग्रणी बैंक सिंडिकेट के एलडीएम विनय कुमार नोक का कहना है कि एजुकेशन लोन में पहले जैसी मारामारी नहीं है। बीटेक करने के बाद नौकरी न मिलने की वजह से रिपेमेंट की स्थिति खराब है। जुलाई में फिर नए कालेजों में प्रवेश की प्रक्रिया शुरु होगी, उसके बाद नए ट्रेंड का पता चलेगा।

प्रीमियम इंस्टीट्यूट को दो दिन में लोन : स्टेट बैंक आफ इंडिया मेरठ कैंट के एजीएम सुशील कुमार का कहना है कि एजुकेशन लोन में किसी तरह की दिक्कत नहीं है। जो भी प्रीमियम इंस्टीट्यूट हैं, अगर छात्र उसमें प्रवेश लेना चाहता है तो उसका लोन दो दिन के भीतर ही स्वीकृत किया जा रहा है।

पुत्र की पढ़ाई, पिता चुका रहे ईएमआइ

एजुकेशन लोन लेकर पढ़ाई करने के बाद भी अच्छे पैकेज न होने की वजह से बैंकों में रिपेमेंट नहीं हो पा रहा है। नतीजा बहुत से अभिभावक जिन्होंने यह सोचकर लोन लिए थे कि उनके बेटे की सर्विस से ईएमआइ दी जाएगी, अब वह अपने पेंशन आदि से ईएमआइ का भुगतान कर रहे हैं।

... ताकि बरकरार रहे अपने चेहरे की रंगत

- टीन एज में ही सताने लगी एजिंग की समस्या

जागरण संवाददाता, मेरठ : अपने लुक्स को लेकर टीनेजर्स हमेशा ही सतर्क रहते हैं। आकर्षक लुक पाने के लिए इन दिनों युवाओं का रुझान परमानेंट मेकअप की तरफ बढ़ रहा है। चेहरे, बाल, होंठ, आंखों और आइब्रो को खूबसूरत बनाने के लिए युवा परमानेंट मेकअप करवा रहे हैं।

चेहरे पर रहे ग्लो

कम उम्र में पार्लर ट्रीटमेंट और कॉस्मेटिक के अधिक प्रयोग से युवा अपने चेहरे की रंगत खो रहे हैं। इसके चलते बालों का झड़ना, पिम्पल्स आदि की समस्या हो जाती है। इससे निजात पाने को युवा परमानेंट मेकअप करा रहे हैं। वहीं आइब्रो में कम बाल या दोनों आंखों के आकार में अंतर होने पर भी युवा परमानेंट मेकअप करा कर से बेहतर लुक्स पाना चाहते हैं।

बनी रहे होठों की रंगत

परमानेंट मेकअप में ज्यादातर काम आंखों, बालों और होठों पर किया जा रहा है। गर्ल्स होठों को आकर्षित बनाने के लिए परमानेंट लिपस्टिक का प्रयोग कर रही हैं। इसमें होठों पर नेचुरल ब्राउन, पिंक या रेडिश कलर किया जाता है।

बचाव के लिए यह उपाय

- चेहरे पर अच्छी क्वालिटी की सन क्रीम लगाए।
- बैलेंस डाइट के साथ खूब पानी पीएं।
- नियमित योगा और एक्सरसाइज करें।
- कम उम्र में पार्लर ट्रीटमेंट न कराए।
- अधिक खुशबू दार कॉस्मेटिक उत्पादों का प्रयोग न करें।

> युवा अपने लुक के लिए काफी क्रेजी है। छोटी उम्र में पार्लर जाना और कॉस्मेटिक का अधिक उपयोग करने से टीन एज में ही त्वचा संबंधी समस्याएं बढ़ रही है। यह आश्चर्य की बात है कि बीस साल की उम्र में ही अब युवाओं को एजिंग की समस्या सताने लगी है।
> **-डॉ .अर्चना जैन, त्वचा रोग विशेषज्ञ।**

घर बैठे भी हो सकती है आइआइटी जैसी पढ़ाई

एनपीटीइएल दूर-दराज के छात्रों को आनलाइन पढ़ने के लिए दे रहा है विकल्प

- आनलाइन कोर्स करने की भी सुविधा उपलब्ध

जागरण संवाददाता, मेरठ : सूचना के इस दौर में पढ़ाई अब क्लास रूम से बाहर निकल लगी है। ऐसे छात्र-छात्राएं, जिनको क्लासरूम में बैठकर पढ़ने का मौका नहीं मिल रहा है, वह ई-लर्निंग से आइआइटी जैसी पढाई अपने घर पर भी कर सकते हैं।

नेशनल प्रोग्राम आन टेक्नोलॉजी इनहेंस लर्निंग (एनपीटीइएल) गुणवत्तापरक शिक्षा वीडियो के माध्यम से गांव के छात्र-छात्राओं के लिए भी उपलब्ध करा रहा है, जिसके विषय में अभी बहुत कम लोगों को जानकारी है। आइआइटी और आइआइएमसी के सहयोग से संचालित इस पोर्टल पर फ्री आनलाइन कोर्स उपलब्ध हैं, जिससे छात्र-छात्राएं घर बैठे अपने स्मार्टफोन या लैपटॉप के माध्यम से पढ़ाई कर सकते हैं। इसमें कंटेट काफी उम्दा हैं, जिस तरह से आइआइटी की क्लासरूमों में पढ़ाई होती है, वैसी ही पढ़ाई इस माध्यम से की जा सकती है। एनपीटीइएल आइआइटी जैसे संस्थानों के प्रोफेसर कंप्यूटर के माध्यम से ढेरों सामग्री उपलब्ध करा रहे हैं। इंजीनियरिंग की तैयारी करने वाले शहर के बहुत से छात्र अतिरिक्त कंटेंट के लिए भी एनपीटीइएल के पोर्टल का उपयोग कर रहे हैं।

गांव के छात्र भी कर सकते हैं तैयारी

सुदूर गांव के रहने वाले छात्र-छात्राएं जो इंजीनियरिंग की तैयारी के लिए कोचिंग नहीं कर पाते, उनके लिए यह पोर्टल काफी उपयोगी है। साइंस और इंजीनियरिंग के लिए यह एजुकेशन पोर्टल काफी मददगार है।

कोर्स करने की सुविधा

कोई भी छात्र बहुत कम शुल्क देकर आनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स कर सकता है। एनपीटीइएल पर आनलाइन कोर्स उपलब्ध है। पोर्टल पर कई तरह के सर्टिफिकेट कोर्स आनलाइन किए जा सकते हैं।

नैक की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक

मेरठ : चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय में नैक की टीम 23 मई को आने वाली है। इसकी तैयारियों को लेकर मंगलवार को विभागाध्यक्षों की बैठक हुई। इसमें नैक की तैयारियों को लेकर समीक्षा की गई। कुलपति की अध्यक्षता में दो मई को सभी विभागाध्यक्षों और अधिकारियों की अंतिम बैठक होगी।

आइआइएमटी का टाइम से करार

मेरठ : आइआइएमटी ने गेट की पढ़ाई के लिए टाइम से करार किया है। अब गेट की परीक्षा की तैयारी के लिए छात्रों को बाहर नहीं जाना पड़ेगा। आइआइएमटी ग्रुप के छात्रों के अलावा मेरठ और आसपास के छात्र भी अपना पंजीकरण कराकर गेट की तैयारी अपने शहर में कर सकेंगे।

इस्माईल कालेज में परीक्षा आज

मेरठ : बुढ़ाना गेट स्थित इस्माईल नेशनल पीजी कालेज में बीए प्रथम, द्वितीय व तृतीय संगीत विषय की प्रयोगात्मक परीक्षा की तिथि घोषित कर दी गई है। कालेज की प्रेस प्रवक्ता डा. शिवाली अग्रवाल ने बताया कि गायन प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष की परीक्षा 27 अप्रैल को सुबह नौ बजे से होगी। सितार प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष की परीक्षा 29 अप्रैल को सुबह नौ बजे से होगी। उन्होंने प्रयोगात्मक परीक्षा के लिए छात्राओं को निर्धारित समय पर उपस्थित होने को कहा है। साथ ही परीक्षा के लिए अपने विभाग में उपस्थित होने के निर्देश भी दिए हैं।

तभी भरेंगी सीटें जब किश्तों में होगी फीस

- बीएड की फीस किश्त में जमा करने की मांग
- दाखिले से जूझ रहे कालेजों के सामने संकट

मेरठ : इस बार बीएड की संयुक्त प्रवेश परीक्षा में सीटों के मुकाबले कम अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी है। इससे बीएड कालेजों की चिंता बढ़ गई है। ऐसे में कालेजों की तरफ से बीएड की फीस किश्तों में जमा कराने की अनुमति मांगी गई है।

पश्चिम उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण युवा मोर्चा के संयोजक व बीएड कालेज के संचालक डा. ज्ञानेंद्र शर्मा ने बीएड प्रवेश परीक्षा के समन्वयक को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने गरीब छात्रों को शुल्क चार किश्तों में जमा करने की अनुमति दिए जाने की मांग की। उन्होंने मांग की है कि सामान्य और ओबीसी के छात्रों की 51250 रुपये की फीस है, उसे किश्तों में कर दिया जाए, यानी पहली किश्त दस हजार रुपये की हो, दूसरी किश्त पंद्रह हजार और तीसरी किश्त पंद्रह हजार रुपये की हो, चौथी किश्त 11 हजार पांच सौ रुपये की कर दी जाए। इसके अलावा उन्होंने साइंस वर्ग की खाली सीटों को कला वर्ग में बदलने की मांग की है।

Education Junction

विदेशी वैज्ञानिक तकनीक द्वारा अपने बच्चे की छुपी हुई प्रतिभा को जानिये और लगाईये उसे पंख, उसके स्वयं के सपने साकार करने को।

और भी बहुत कुछ जो आप जानना चाहते हैं।
• Learning Style • Acquiring Method • Personality
• Behaviour • Innate Talent • Career Options, etc.

यह चार सौ वर्षों से वैज्ञानिकों द्वारा निरंतर किये गये रिसर्च के परिणाम स्वरूप निर्मित ऐसी तकनीक है, जिससे किसी भी व्यक्ति के फिंगर प्रिंट्स का अध्ययन कर उसकी छुपी हुई प्रतिभाओं एवं लक्षणों का विश्लेषण किया जाता है।

Need of DMI Test for Children: •Reduce Time, Money, Effort wasted over irrelevant courses & Classes •Improve relationship between parents and children •360 degree develop children's confidence •A stress-free childhood for children.

Sunrise Technologies
Top Floor, Star Plaza, Bachcha Park, Meerut. Ph: 7830080808

For Advertisment Booking Contact: 9897797047